

श्याम सुन्दर शर्मा बनाम् राजस्थान राज्य वगैरा।
(एकलपीठ सिविल पुनरावलोकन प्रार्थना पत्र संख्या-169 /2006)
अन्तर्गत
(एकलपीठ सिविल रिट याचिका संख्या-812 /2002)

06.12.2006

माननीय न्यायाधिपति श्री शिव कुमार शर्मा

श्री आर.पी. गर्ग, अधिवक्ता वास्ते प्रार्थी।

दिनांक- 26.7.2005 को इस न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पुनरावलोकन के सम्बन्ध में प्रतिपक्षी/ आवेदकों द्वारा यह पुनरावलोकन प्रार्थना पत्र दिनांक- 30.11.2006 को प्रस्तुत किया गया है, जिसके साथ परिसीमा अधिनियम की धारा-5 का प्रार्थना पत्र, पुनरावलोकन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने में किए गये विलम्ब को नजरअंदाज करने के सम्बन्ध में प्रस्तुत किया गया है, जिसमें अभिकथित किया गया है कि उप निदेशक (प्रशासन), स्वायत्त शासन विभाग के पत्र दिनांक- 7.12.2006 की जानकारी अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका मण्डल, नवलगढ़ को समय पर नहीं हो सकी थी, इस कारण यह पुनरावलोकन प्रार्थना पत्र निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं किया जा सका है।

विद्वान अधिवक्ता प्रतिपक्षी/आवेदकगण श्री आर.पी. गर्ग द्वारा प्रस्तुत तर्कों को सुना गया तथा पत्रावली पर उपलब्ध सामग्री का अनुशीलन किया गया।

एकलपीठ सिविल रिट याचिका संख्या- 812/2002 दिनांक- 26.7.2005 को निस्तारित की गई थी। उक्त तिथि को निदेशक, स्वायत्त शासन विभाग, विकास अधिकारी, पंचायत समिति, नवलगढ़ व नगरपालिका मण्डल, नवलगढ़ की ओर से श्री सुभाष जैन, अधिवक्ता उपस्थित थे, ऐसी स्थिति में प्रतिपक्षी/ आवेदकगणों द्वारा धारा-5, परिसीमा अधिनियम प्रार्थना पत्र में पुनरावलोकन प्रार्थना पत्र विलम्ब से प्रस्तुत किए जाने के सम्बन्ध में लिए गये आधार विश्वसनीय प्रतीत नहीं होते।

परिणामतः यह पुनरावलोकन प्रार्थना पत्र विलम्ब से प्रस्तुत किए जाने के आधार पर निरस्त किया जाता है।

(न्या. शिव कुमार शर्मा)

एमसीएस